

अध्याय – 10 | मन्नू भंडारी

QUIZ-03

1. लेखिका ने अपने पात्रों की प्रेरणा कहाँ से ली थी?

- A. अपने परिवार से
B. पड़ोस और मोहल्ले के लोगों से
C. स्कूल के शिक्षकों से
D. केवल कल्पना से (B)

व्याख्या: लेखिका ने स्पष्ट किया कि उनके पात्र परिवार से नहीं बल्कि पड़ोस और मोहल्ले के लोगों से प्रभावित थे।

2. पिता जी रसोई को क्या कहते थे?

- A. भोजनालय B. व्यर्थ स्थान
C. स्ट्रिटयारखाना D. कार्यशाला (C)

व्याख्या: पिता जी का मानना था कि रसोई को वे 'स्ट्रिटयारखाना' कहते थे और वहाँ रहना अपनी प्रतिभा को व्यर्थ करना है।

3. लेखिका ने 'फर्स्ट इयर' में कब प्रवेश लिया?

- A. 1943 B. 1944
C. 1945 D. 1947 (C)

व्याख्या: दसवीं पास करने के बाद 1945 में लेखिका ने 'फर्स्ट इयर' में प्रवेश लिया।

4. लेखिका का साहित्यिक दायरा किसने बढ़ाया?

- A. पिता जी ने B. शीला अग्रवाल ने
C. माँ ने D. डॉ. अंबालाल ने (B)

व्याख्या: शीला अग्रवाल ने लेखिका को चुन-चुनकर किताबें पढ़वाई और साहित्यिक दायरा बढ़ाया।

5. 'सुनीता' उपन्यास किसका है, जिसे लेखिका ने पसंद किया?

- A. अज्ञेय B. रेणु
C. प्रेमचंद D. मन्नू भंडारी (B)

व्याख्या: लेखिका ने 'सुनीता' उपन्यास पढ़ा जो रेणु का था और उन्हें बहुत अच्छा लगा।

6. 'सकील' शब्द का क्या अर्थ है?

- A. हल्का B. भारी
C. स्वादिष्ट D. सरल (B)

व्याख्या: 'सकील' का अर्थ है भारी, जिसका उपयोग यहाँ विशेषण रूप में हुआ है।

7. 'माँ ने आकर बताया कि पिता जी बहुत खुश हैं।' यह वाक्य किस प्रकार का है?

- A. मिश्र वाक्य B. सरल वाक्य
C. आज्ञार्थक वाक्य D. संयुक्त वाक्य (A)

व्याख्या: इसमें एक मुख्य और एक उपवाक्य है, इसलिए यह मिश्र वाक्य है।

8. शीला अग्रवाल किस विषय से जुड़ी थीं?

- A. गणित B. नवज्ञान
C. अर्थशास्त्र D. हिन्दी (D)

व्याख्या: शीला अग्रवाल हिन्दी की प्राध्यापिका थीं और उसी विषय से जुड़ी थीं।

9. उस समय लेखिका के पिता जी की आदत क्या थी?

- A. कविता लिखना B. बहस करना
C. धार्मिक चर्चा करना D. शतरंज खेलना (B)

व्याख्या: पिता जी का प्रिय शगल बहस करना था और वे चाहते थे कि लेखिका भी इसमें भाग ले।

10. लेखिका कब से घर की बहसों में सक्रिय रूप से शामिल होने लगीं?

- A. आठवीं कक्षा से
B. दसवीं कक्षा तक केवल सुनती थीं, बाद में सक्रिय हुईं
C. बचपन से ही सक्रिय थीं
D. शादी के बाद (B)

व्याख्या: दसवीं कक्षा तक वे केवल सुनती थीं, लेकिन बाद में वे बहसों में सक्रिय रूप से शामिल होने लगीं।